आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–07 सितम्बर 2026 सान्ध्य समाचार

प्रदेश के विभिन्न जिलों में रुक–रुक बारिश का सिलसिला जारी है। पिछले कई दिनों से हो रही बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण राज्य की कई नदियां उफान पर हैं। पीलीभीत जिले में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश होने के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहां बाढ़ के खतरे को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है।

शारदा नदी में बनबसा बैराज से आज एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया। देवहा नदी में डिस्चार्ज 11 हजार क्यूसेक था। इससे पूरनपुर, सदर, कलीनगर और बीसलपुर तहसील क्षेत्र के करीब 3 दर्जन गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। ट्रांस शारदा क्षेत्र में फसलें व संपर्क मार्ग डूबे हुए हैं। जिला प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को अलर्ट करके प्रभावित क्षेत्रों पर नजर रखने को कहा है। लगातार बरसात होने से निचली बस्तियां भी जलमग्न हैं और आज 8वीं तक के स्कूल बंद रहे। सतीश मिश्र, आकाशवाणी समाचार पीलीभीत।

प्रदेश में इस समय करीब दो दर्जन से अधिक जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। बदायूं और बलिया में गंगा नदी, शाहजहांपुर में रामगंगा, लखीमपुर खीरी में शारदा नदी, बाराबंकी, अयोध्या और बलिया में घाघरा नदी अलग–अलग स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में भी बीती रात से रुक–रुककर तेज बारिश का सिलसिला जारी है। वहां आज सुबह 8 बजे तक 24 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने इस अंचल में भारी बारिश जारी रहने की चेतावनी दी है।

मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने आकाशवाणी से बातचीत में कहा कि बारिश का यह सिलसिला आगामी दिनों में भी जारी रहेगा।

जैसा कि सेंट्रल पार्ट ऑफ उत्तर प्रदेश में एक लो प्रेशर सिस्टम बना हुआ है और जैसा कि ये धीरे–धीरे पूर्वांचल की तरफ मूव हो रहा है तो उसी को देखते हुए आज उत्तर प्रदेश के जो तराई बेल्ट है वहां पर ऑरेंज अलर्ट है भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है जिसमें गोरखपुर बस्ती बहराइच लखीमपुर खीरी में जो तराई बेल्ट है वहां पर है बाकी ये सिस्टम धीरे–धीरे पूर्वी की उत्तर प्रदेश की तरफ पूर्वांचल की तरफ मूव होगा तो कहीं ना कहीं कल दिनांक 8 सितंबर को जो हमारा गोरखपुर देवरिया कुशीनगर महाराजगंज का जो एरिया है नॉर्थ ईस्ट यूपी वहां पर भारी से भारी वर्षा होने की संभावना है बाकी ये सिस्टम धीरे–धीरे मूव हो जाएगा हालांकि जो बारिश है हल्की से मध्यम वो पूर्वी उत्तर प्रदेश पूर्वांचल में अभी आने वाले अगले तीन चार दिन तक बना रहेगा।

****

बागपत जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पर बड़ा गांव टोल के पास बीती मध्यरात्रि के बाद श्रद्धालुओं से भरे एक यात्री वाहन के डिवाइडर से टकराकर पलट जाने से करीब बारह लोगों की मौत हो गयी। यह हादसा उस समय हुआ जब इस वाहन को एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी, जिससे यह डिवाइडर से टकरा गया। एडीजी मेरठ भानु भास्कर ने बताया कि हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती करा दिया गया है।

ये बहुत ही दुखद है और मृतकों एवं घायलों के परिवार के साथ, परिजनों के साथ जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक और पूरी टीम के लगातार बातचीत चल रही है। ये सभी लोग मूलतः जो है बदायूं जनपद के थे। वो राजस्थान में पूजा–अर्चना के लिए 2 सितंबर को गए थे। पांच दिन बाद पूजा–अर्चना पूरी करके वापस आ रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई है। बदायूं प्रशासन, बदायूं पुलिस जो है लगातार इनसे संपर्क में है और जितनी सुविधा मुहैया हो सकती है, वो कराई जा रही है।

वहीं, बदायूं जिले के उघैती थाना क्षेत्र में भी सहसवान– बिसौली रोड पर आज तड़के एक टेम्पो व डंपर के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी। इस हादसे में करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हैं।

****

कल अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर बच्चे को विद्यालय पहुंचाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने और डिजिटल ज्ञान तथा एआई के प्रति जागरूक होने का आवाह्न किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर योगी की पाती नाम से अपने संदेश में कहा है कि आज तकनीक तेजी से हमारे जीवन को बदल रही है। ऐसे में डिजिटल साक्षरता के साथ एआई साक्षरता की भी आवश्यकता है। एआई, डीप–टेक और उभरती प्रौद्योगिकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि साक्षरता का संकल्प समाज के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता है। समाचार कक्ष से विवेक सिंह।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से आगामी नौ सितम्बर को नौवें राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत होगी। महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा इस वर्ष आयोजित हो रहे राष्ट्रीय पोषण माह का विषय है–"हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी"।

****

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन–इसरो ने मीडिया की उन अटकलों और गलत सूचनाओं पर स्पष्टीकरण जारी किया है जिनमें इसरो के निजीकरण या उसकी भूमिका कम करने के प्रयासों की बात कही गई है।

****